भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2412

03.08.2026 को उत्तर के लिए

तमिलनाडु में मैंग्रोव की पुनःप्राप्ति के लिए निधि

2412. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियनः

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में तटीय क्षरण और ब्लू कार्बन पारिस्थितिकी प्रणालियों (मैंग्रोव और समुद्री घास) के क्षरण के दायरे का आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो तमिलनाडु में 'मिष्टी' (तटीय पर्यावासों और मूर्त आय के लिए मैंग्रोव पहल) योजना की शुरुआत से इसके अंतर्गत मैंग्रोव की पुनः प्राप्ति के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या तमिलनाडु राज्य सरकार ने 'मिष्टी' के अंतर्गत वित्तपोषण के लिए कोई व्यापक कार्य योजना प्रस्तुत की है और यदि हां, तो इसकी मंजूरी की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा मयिलादुथुरै, नागापट्टिनम और चेन्नई जैसे अत्यधिक संवेदनशील जिलों में तटीय क्षरण को कम करने के लिए क्या तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान की गई है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग) तटीय संरक्षण कार्य संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किए जाते हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तटीय पर्यावासों की बहाली, संवर्धन और धारणीयता बढ़ाने के लिए "तटीय आवास एवं मूर्त आय हेतु मैंग्रोव पहल" को कार्यान्वित कर रहा है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के प्रति सघ्य क्षमता भी शामिल है। तमिलनाडु राज्य सरकार ने मिष्टी के अंतर्गत वित्त पोषण के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है। हालांकि, तमिलनाडु सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में राज्य में कुल 4,183 हेक्टेयर क्षेत्र में मैंग्रोव सृजन और पुनरूद्धार कार्य किए गए हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) ने 1990-2022 की अवधि के लिए रिमोट सेंसिंग डेटासेट और फील्ड डेटा का उपयोग करके भारतीय तटरेखा परिवर्तनों का आकलन किया है। अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु की 39.2% तटरेखा का क्षरण हो रहा है, 40.6% स्थिर है और 20.2% में वृद्धि हो रही है। तमिलनाडु सरकार द्वारा दी गई सूचनानुसार जलवायु परिवर्तन कार्रवाई हेतु तमिलनाडु जैव विविधता संरक्षण और हरितीकरण परियोजना के तहत, पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी में समुद्री घास का अनुमानित क्षेत्रफल 634.18 वर्ग किलोमीटर है। इसके अलावा, भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर), 2023 और 2021 के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में कुल मैंग्रोव क्षेत्र 41.91 वर्ग किलोमीटर है।

(घ) तमिलनाडु सरकार द्वारा तमिलनाडु सतत महासागरीय संसाधन दोहन और ब्लू इकोनमी (टीएन-शोर) कार्यक्रम और ग्रीन तमिलनाडु मिशन (जीटीएम) के अंतर्गत प्रदान की गई वित्तीय सहायता का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं	**जिले का नाम**	**योजना**	**वर्ष**	**नए मैंग्रोव वनों का निर्माण (हेक्टेयर)**	**निम्नीकृत मैंग्रोव वनों का पुनर्स्थापन (हेक्टेयर)**	**वित्तीय सहायता (लाखों में)**
1.	माइलादुत्रयी	टीएन-शोर	2025-26	29.02	72.55	65.26
2.	नागपट्टिनम	टीएन-शोर	2025-26	58.04	21.76	68.92
		जीटीएम	2024-25	20.00	-	12.24
3.	चेन्नई	जीटीएम	2024-25	20.00	-	6.28
कुल				127.06	94.31	152.70